न्यूज डायरी

अमेरिकी सीनेट में यूक्रेन के समर्थन वाला प्रस्ताव पास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। अमेरिका खुलकर यूक्रेन का समर्थन कर रहा है। अमेरिकी सीनेट ने गुरुवार रात एक प्रस्ताव पास किया है। इस प्रस्ताव में रूस के संभावित हमले को लेकर यूक्रेन के समर्थन की बात कही गई है। इस प्रस्ताव में कहा गया कि सीनेट ने यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए, अतिरिक्त घातक और गैर–घातक सुरक्षा सहायता सहित राजनीतिक, राजनयिक और सैन्य सहायता प्रदान करके अपनी क्षेत्रीय अखंडता को बहाल करने के लिए यूक्रेन की सरकार के निरंतर प्रयासों का समर्थन किया। रूसी न्यूज एजेंसी स्पूतनिक के अनुसार, इस प्रस्ताव में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से यूक्रेन पर हमले की स्थिति में रूस पर जरूरी जुर्माना लगाने को कहा गया है। जिससे यूरोप में शांति स्थापित हो। गौरतलब है कि पश्चिमी देश यह आरोप लगाते रहे हैं कि रूस सीमा पर सेना का जमावड़ा कर यूक्रेन के खिलाफ हमले की तैयारी कर रहा है।

कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो पर बरसे अरबपति एलन मस्क

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। ओटावा में ट्रक चालकों के प्रदर्शन का समर्थन कर रहे दुनिया के सबसे अमीर अरबपति एलन मस्क के कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की तुलना जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर से करने पर बवाल मच गया है। एलन मस्क ने ट्विटर पर एक मीम शेयर किया और ट्रूडो की तुलना की क्रूर तानाशाह हिटलर से की। इस ट्वीट पर सोशल मीडिया में बवाल मच गया और एलन मस्क ने बाद में उसे डिलीट कर दिया।
इस ट्वीट में एलन मस्क काइन डेस्क के उस ट्वीट पर जवाब दे रहे थे जिसमें कहा गया था कि कनाडा की सरकार उन क्रिप्टो ट्रांजेक्शन पर कार्रवाई कर रही है जिसके जरिए कनाडा के ट्रक चालकों की मदद की जा रही थी। इस ट्वीट के जवाब में एलन मस्क ने हिटलर का मीम ट्वीट करते हुए लिखा, मेरी तुलना हिटलर से करना बंद करो। इस ट्वीट के करीब 12 घंटे बाद एलन मस्क ने लोगों कड़ी आलोचना के बाद उसे डिलीट कर दिया।

नेहरू के मुरीद, भारत के आधे सांसद बलात्कारी–हत्यारे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिंगापुर। लंबे समय से सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग के आधे भारतीय सांसदों के बलात्कारी और हत्यारा बताने पर भारत में बवाल मचा हुआ है। पीएम ली सीन के इस बयान पर भारत ने सिंगापुर के उच्चायोग से सख्त नाराजगी जताई है। सिंगापुर के पीएम ने संसद में दिए अपने भाषण में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की जमकर तारीफ भी की और उन्हें उत्कृष्ट क्षमता वाला असाधारण व्यक्ति करार दिया। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने 'देश में लोकतंत्र को कैसे काम करना चाहिए' विषय पर संसद में एक जोरदार बहस के दौरान भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का जिक्र किया। ली ने बहस के दौरान कहा, ज्यादातर देश उच्च आदर्शों और महान मूल्यों के आधार पर स्थापित होते हैं और अपनी यात्रा शुरू करते हैं।

रूस या तो सेना को पीछे हटा कूटनीतिक संवाद करे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। यूक्रेन पर हमले की तैयारी कर रहे रूस के पास दो विकल्प हैं। या तो वह यूक्रेन की सीमाओं से अपने सैनिकों को पीछे हटाकर कूटनीतिक संवाद करे या फिर अंतरराष्ट्रीय समुदायों की ओर से निर्णायक समेकित प्रतिक्रिया के लिए तैयार रहे। यह बात संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन के एंबेसडर Sergiy Kyslytsya ने कही है। यूक्रेन पर UNSC की मीटिंग में झलेसलजेलं ने कहा कि यूक्रेन न केवल अपने लिए बल्कि पूरे यूरोप के लिए भी शांति, सुरक्षा और स्थिरता चाहता है। साथ ही, मैं दोहराता हूं कि रूस के आगे बढ़ने की स्थिति में यूक्रेन अपना बचाव करेगा। रूस का कहना है कि वह यूक्रेन की सीमाओं से सैनिकों को पीछे हटा रहा है लेकिन जमीनी स्तर पर ऐसा होता नहीं दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का कहना है कि इस बात के कई संकेत हैं कि रूस अगले कुछ दिनों में यूक्रेन पर हमला कर सकता है।

रूस के लिए महाविनाशक होगी यूक्रेन पर नाटो से जंग

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नहीं होने जा रही राह आसान

परमाणु जंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कीव। यूक्रेन के साथ जारी तनाव पर अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो देशों को परमाणु जंग की धमकी दे रहे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की राह आसान नहीं होने जा रही है। अमेरिका ने यूरोप के 5 देशों में 100 परमाणु बम बिल्कुल तैयार हालत में रखे हुए हैं। ये देश हैं– बेल्जियम, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड और तुर्की। यही नहीं इन परमाणु बमों को दागने के लिए अमेरिका ने एफ–16 समेत अन्य लड़ाकू विमानों को भी यूरोपीय अड्डों पर तैनात कर रखा है। इसके अलावा अमेरिका ने यूक्रेन तनाव को देखते हुए अपने बी–52 परमाणु बॉम्बर को भी ब्रिटेन के हवाई ठिकाने पर भेजा है।

अमेरिका अपने नए परमाणु बम बी61–12 को भी बहुत तेजी से तैयार कर रही है जिसे साल 2023 तक यूरोप में भी तैनात कर दिया जाएगा। ये परमाणु बम अमेरिका के सबसे घातक एफ–35 लड़ाकू विमानों से गिराए जा सकते हैं। अमेरिका ने

यूरोप की यह किलेबंदी रूस के नाटो देशों पर हमले के खतरे को देखते हुए काफी लंबे समय से कर रखी है। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन का मुख्य सिद्धांत है कि सामूहिक रक्षा की जाए। इसका मतलब यह हुआ कि कोई तीसरा देश अगर नाटो देशों पर हमला करता है तो प्रत्येक सदस्य को उसकी रक्षा के लिए आगे आना ही होगा।

अगर रक्षा पर खर्च की बात करें तो अमेरिका ने नाटो के अन्य सदस्य देशों के कुल रक्षा खर्च का दोगुना खर्च किया है। साल 2021 में अमेरिका का रक्षा बजट 705 अरब डॉलर रहा। रक्षा के क्षेत्र में सबसे ज्यादा पैसा बहाने के साथ– साथ अमेरिका के पास महाविनाशक हथियार और एक विशाल सेना भी मौजूद है। साल 2017 में अमेरिका के पास 13 लाख सक्रिय सैनिक थे और 865000 सैनिक रिजर्व में थे। नाटो देशों में ब्रिटेन सबसे ज्यादा रक्षा खर्च करने में दूसरे नंबर पर है। इसके बाद जर्मनी, फ्रांस और इटली का नंबर आता है।

अगर रूस के ताकत की बात करें तो पुतिन के नेतृत्व में रूस दुनिया के शक्तिशाली मुल्कों की श्रेणी में शामिल है। वॉशिंगटन स्थित हेरिटेज फाउंडेशन के मुताबिक रूस के हथियारों के जखीरे में 336 अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलें, 2840 टैंक, 5,220 हथियार बंद वाहन और 4,684 तोपें हैं। हालांकि अभी कुछ आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन, रेडॉर, सैटलाइट से निगरानी के मामले में पीछे चल रहा है। रूसी पत्रकार पावेल फेलगेन्हौअर कहते हैं कि हमारे पास हथियार हैं जिसमें लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार शामिल हैं। लेकिन हमारा निगरानी तंत्र अभी हमला करने की ताकत की तुलना में कमजोर है।

नाटो–रूस में जंग हुई तो कौन होगा विजेता ?: रॉयल यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूट के साल 2019 में प्रकाशित शोध के मुताबिक अगर रूस के साथ जंग छिड़ती है तो ब्रिटिश सेना पूर्वी यूरोप में बड़े पैमाने पर पिछड़ जाएगी। इस शोध में पाया गया था कि ब्रिटेन की सेना और उसके अन्य नाटो सहयोगी देशों के पास तोप के गोले और विस्फोटकों की भारी कमी है।

ब्रिटेन ने यूक्रेन पर हमले के रूसी प्लान का किया खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। यूक्रेन और रूस में तनाव अपने चरम पर है और दोनों ही देशों के लाखों सैनिक आमने–सामने तैनात हैं। अमेरिका की मानें तो रूस कभी भी यूक्रेन पर हमला कर सकता है। इस बीच ब्रिटेन ने एक नक्शा जारी करके खुलासा किया है कि रूसी सेना यूक्रेन पर चौतरफा हमले की साजिश रच रही है।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि रूस ने सोवियत संघ के विघटन के बाद पहली बार अपनी आधी से अधिक सेना को सीमा पर तैनात किया है। रूसी सेना अपने इलाके के साथ–साथ बेलारूस और काला सागर में भी मौजूद है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यूक्रेन की उत्तरी सीमा रूसी सेना के निशाने पर सबसे अधिक है। इसका मतलब रूस के सीधे निशाने पर राजधानी कीव है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक,अगर राष्ट्रपति पुतिन टकराव चाहते हैं तो बड़ी तादाद में आम नागरिक मारे जाएंगे। हालांकि पुतिन अभी भी कूटनीति या फिर शांति का रास्ता अपना सकते हैं।

रूस का दावा है कि वह सीमा से सैनिकों को कम कर रहा है, वहीं अमेरिका ने सैटलाइट तस्वीरों के आधार पर अनुमान लगाया है कि रूस ने 7 हजार अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की है।

यूएई में पुरातत्वविदों को बड़ी सफलता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। संयुक्त अरब अमीरात के पुरातत्वविदों ने देश की सबसे प्राचीन बिल्डिंग की खोज की है। पुरातत्वविदों ने बताया कि यह इमारत 8500 साल पुरानी है। यह बिल्डिंग इससे पहले मिली इमारत से भी 500 साल ज्यादा पुरानी है। अबूधाबी के संस्कृति और पर्यटन विभाग ने इस शानदार खोज की जानकारी दी है। यह प्राचीनतम इमारत अबू धाबी शहर के पश्चिम में स्थित घाघा द्वीप पर मिली है। इस द्वीप से जो ढांचा मिला है, वह साधारण गोल कमरों की तरह से है जिसके चारों ओर पत्थर की दीवार है। यह दीवार 3.3 फुट ऊंची है और अभी भी काफी हद तक सुरक्षित है।

नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने केपी ओली से की मुलाकात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। चीन बनाम अमेरिका की जंग से एक बार फिर से नेपाल सियासी भंवर में फंसता दिखाई दे रहा है। नेपाल में सत्ध्तारूढ़ गठबंधन में शामिल सीपीएन माओवादी के नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड के सरकार से अलग होने की चेतावनी के बाद अब प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की शरण में पहुंच गए हैं। यह पूरा विवाद अमेरिका के मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन को लागू लेकर हो रहा है जिसका चीन समर्थक गुट विरोध कर रहा है।

प्रचंड की चेतावनी के बाद

चीन बनाम अमेरिका की जंग से सरकार पर संकट

देउबा सरकार ने एमसीसी को संसद में पेश करने के फैसले को टाल दिया है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक सत्तारूढ़ गठबंधन में समझौते की संभावना को खत्म होता देख पीएम देउबा ने सीपीएन यूएमएल के नेता केपी शर्मा ओली से मुलाकात की है। इससे पहले सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक प्रधानमंत्री निवास पर बैठक हुई थी लेकिन कोई फैसला नहीं हो सका।

देउबा अब विकल्प्पों की तलाश कर रहे: नेपाल में सत्तारूढ नेपाली कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि देउबा अब विकल्पों की तलाश कर रहे हैं क्योंकि वह वह एमसीसी समझौते को संसद में पेश करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उधर, काठमांडू पोस्ट अखबार के मुताबिक प्रचंड का धड़ा अमेरिका से 50 करोड़ डॉलर की सहायता नहीं लेने के फैसले पर अड़ा हुआ है। इससे पहले प्रचंड ने देउबा से मांग की थी कि एमसीसी को लेकर और ज्यादा बैठक की जाए। माना जा रहा है कि सत्तारूढ़ गठबंधन में एमसीसी को लेकर आम सहमति बनने की संभावना धूमिल हो गई है।

इससे पहले नेपाली कांग्रेस के दो नेताओं ने ओली से मुलाकात की थी और उनसे सत्ता में बंटवारे के बारे में बात की थी। सूत्रों के मुताबिक नेपाल में अमेरिका के राजदूत रैंडी बेरी ने भी गुरुवार को ओली के साथ बात की थी।

ब्रिटेन ने रूस के साथ तनाव के बीच गोल्डन वीजा व्यवस्था खत्म की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं के बीच अमीर विदेशी निवेशकों को निवास की पेशकश करने वाली तथाकथित गोल्डन वीजा व्यवस्था को वह समाप्त कर रहा है। गौरतलब है कि ब्रिटेन पर लगातार रूस के साथ अपने संबंधों की समीक्षा करने का दबाव बन रहा था। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि टियर–1 निवेशक वीजा व्यवस्था ने भ्रष्ट अमीर लोगों को ब्रिटेन में पहुंच के अवसर प्रदान किए हैं। मंत्रालय ने कहा कि कुछ मामलों में इस वीजा के कारण सुरक्षा चिंताएं पैदा हुई हैं। उसने कहा कि कई मामलों में गैरकानूनी तरीके से धन कमाने वाले और भ्रष्टाचार से जुड़े लोगों ने भी इस वीजा का अनुचित लाभ उठाया है। ब्रिटेन में 20 लाख पाउंड (27 लाख अमेरिकी डॉलर) या उससे ज्यादा की राशि का निवेश करने वालों को देश में निवास करने की पेशकश की जाती है और उन्हें परिवार को भी साथ रखने की अनुमति दी जाती है। यह वीजा संबंधी यह नियम 2008 से प्रभावी है।